रजिस्ट्रेशन संख्या :– R.N.I. 36355/79
डाक पंजीकरण संख्या :– के पी सिटी– 67/2018–20

अधिकार किसको जानने के लिए भारत सरकार की वेबसाइट www.dhr.gov.in लॉगिन कर क्लिक करें अल्टरनेटिव मेडिसिन तथा गज़ट पढ़ने हेतु log in करें www.behm.org.in

चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निष्पक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

पत्र व्यवहार हेतु पता :–
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
127/204 'एस' जूही,
कानपुर–208014

वर्ष –41 ● अंक –5 एवं 6 (संयुक्तांक) ● कानपुर 16 से 31 मार्च 2019 ● प्रधान सम्पादक – डा0 एम0 एच0 इदरीसी ● वार्षिक मूल्य ₹100

वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों को मिले बढ़ावा – राज्यपाल, उ0प्र0

प्रदेश में ऐलोपैथी के साथ –साथ अन्य वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों को भी बढ़ावा मिलना चाहिये यह उद्गार प्रदेश की राजधानी के होटल हयात रीजेन्सी में महामहिम राज्यपाल श्री राम नाईक ने विश्व चिकित्सा दिवस के अवसर पर व्यक्त किये। महामहिम राज्यपाल ने ज़ोर देकर कहा कि जब से केन्द्र में मोदी जी की सरकार आयी है तब से वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा आयुष मन्त्रालय का गठन किया गया है, जिसके अधीन ऐलोपैथी के अतिरिक्त देश में प्रचलित सभी चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देने के कार्यक्रम निर्धारित किये गये हैं इससे आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सा पद्धतियों को विकास का पूरा अवसर प्राप्त हुआ है।

माननीय राज्यपाल जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि आयुर्वेद देश की बहुत पुरानी पराम्परागत चिकित्सा पद्धति है, इसमें प्रकृति से प्राप्त वनस्पतियों से इलाज किया जाता है जो मानव शरीर के अनुकूल हैं उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण वनस्पतियों में भी रोगों को दूर करने की क्षमता में कमी आयी है, जलवायु परिवर्तन के कारण ही जो दुष्प्रभाव वनस्पतियों पर पड़ रहे हैं उसपर भी आप लोगों को ध्यान देना चाहिये। उन्होंने सहभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमें सिर्फ इतना ही मालूम है इससे अधिक आप जानते होंगे इसी प्रकार यूनानी चिकित्सा पद्धति भी आयुर्वेद की भांति है इसमें भी वनस्पतियों का प्रयोग किया जाता है इस कारण हमें दोनों पद्धतियों में समानता दिखायी देती है, महामहिम ने अपने सम्बोधन में यह भी कहा कि आयुर्वेद एवं यूनानी पद्धतियों के अतिरिक्त देश में जो अन्य प्रचलित वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियां हैं उन्हें भी बढ़ावा मिलना चाहिये उन्होंने कहा कि आज विश्व भारत की ओर देख रहा है,शीघ्र ही भारत वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों के क्षेत्र में अग्रणी की भूमिका में होगा,मुझे ऐसा विश्वास है।

इस अवसर पर महामहिम को स्मृतिचिन्ह एवं प्रमाणपत्र संस्था द्वारा प्रदान किया गया, महामहिम ने प्रमाण पत्र प्राप्त करने के पश्चात प्रमाणपत्र के लेख पार सारगर्भित विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इसको हम अपने पास सदैव रखेंगे जिससे हमें प्रेरणा मिलती रहेगी क्योंकि इसमें सबसे अच्छी बात यह लिखी है कि रोग को दूर करने के लिए आत्मबल की सबसे अधिक आवश्यकता होती है आधा रोग तो आत्मबल से ही ठीक हो जाता है। इस अवसर पर महामहिम ने अपना एक संस्मरण सुनाते हुए कहा कि जब मैं 60 वर्ष का था तो मुझे कैन्सर हो गया था, कैन्सर एक ऐसी बीमारी है जो सुनने ही रोगी निराश हो जाता है, उसे यह विश्वास हो जाता है कि अब उसका जीवन कुछ समय का ही है और उसके परिवारीजन उससे अधिक चिंतित हो जाते हैं ऐसे अवसर पर आत्मबल की सबसे अधिक आवश्यकता होती है, ऐसी स्थिति में मेरा आत्मबल बढ़ाने का कार्य मेरी बेटी जो संयोग से कैन्सर पर ही अनुसंधान कर रही थी उसने कहा कि बाबा निराश होने की आवश्यकता नहीं है, आप 8 माह में ही बिल्कुल ठीक हो जायेंगे और आज मैं 85 वर्ष का होकर आपके सामने बोल रहा हूँ और अपना सारा काम स्वयं ही करता हूँ, जो प्रमाणपत्र आपने हमें दिया है वह भी इसी तरह की प्रेरणा देता है। उन्होंने यह भी कहा कि आप सभी चिकित्सा से जुड़े लोग हैं आप लोगों को चाहिये कि भारत सरकार द्वारा प्रायोजित आयुष्मान योजना का लाभ जिसमें 5 लाख तक इलाज सरकार द्वारा मुफ्त किया जाता है उसके लाभार्थियों को लाभ पहुंचाने में मद्द करें।

माईक पर उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक , मंच पर बायें से श्री मुहम्मद ख़ालिद , डा0 मो0 मोहसिन , डा0 अनीस अंसारी , मौलाना ख़ालिद रशीद फिरंगी महली , डा0 ए0 के0 त्रिपाठी एवं डा0 कौसर उसमान – छाया गज़ट

इस अवसर पर महामहिम ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के अजमल खाँ तिब्बिया कालेज के मेडिसिन विभागाध्यक्ष डा0 मोहम्मद मोहसिन, डा0 राममनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान लखनऊ के निदेशक डा0 ए0के0 त्रिपाठी, के0जी0एम0यू. के प्रोफेसर डा0 कौसर उसमान, विधानसभा में पूर्व चिकित्सा अधिकारी डा0 ए0एहशमी,केन्द्रीय भारतीय चिकित्सा परिषद के पूर्व सदस्य डा0 वी0पी0त्रिवेदी, नुज़हा के अध्यक्ष डा0 मोईद अहमद, अन्तर्राष्ट्रीय यूनानी फोरम के न्यासी डा0 अयाज़ अहमद ,यूनानी स्कॉलर्स एशोसिएशन के उपाध्यक्ष डा0 खुर्शीद अहमद रायनी, ईशु के सचिव डा0 के0 एम0 मुबशिशर तथा संगठन सचिव डा0 मोहसिन सिद्दीकी के साथ ही इन्ट्रीग्रल विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रोफेसर वसीम अख़्तर एवं कुलपति तथा एरा मेडिकल यूनिवर्सिटी के कुलपति डा0 मेंहदी को विशेषरूप से सम्मानित किया, डा0 मोहम्मद मोहसिन ने Life & Contribution of Ibn-e- Sina in the field of Medicine पर एक पेपर प्रस्तुत किया तथा चार्टों के माध्यम से अपनी बात कही, डा0 ए0 के0 त्रिपाठी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों के विकास से ही रोगों को दूर किया जा सकता है उन्होंने कहा कि योगा एवं होलिस्टिक चिकित्सा पद्धति के प्रयोग से अतिशीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया जा सकता है, उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि यदि शरीर लचीला होगा तो उसमें बीमारियां नहीं होंगी।

डा0 कौसर उसमान ने कहा कि प्रदेश में बच्चे बड़ी तेज़ी से मोटापे की ज़द में आ रहे हैं इसकी वजह हैं ज़रूरत से ज़्यादा खाना खाना, Fast Foods व Junc Foods का सेवन करना व कसरत न करना, खेल के मैदान में भी न जाना उन्होंने कहा कि मोटापे और सुस्त जीवनशैली से बच्चे डायबिटीज़ व दिल जैसी गम्भीर बीमारी से ग्रस्त हो रहे हैं उन्होंने बताया कि देश के 20 फीसदी बच्चे अत्यधिक भोजन करने व आरामतल्बी के कारण मोटापे के शिकार हो रहे हैं अपनी जीवन शैली को सुधारकर 70 से 80 फीसदी खुद को बचा सकते हैं।

संस्था के अध्यक्ष डा0 अनीस अन्सारी Rtd. I.A.S. व पूर्व कुलपति ख्वाजा गरीब नवाज़ उर्दू अरबी फारसी विश्वविद्यालय, लखनऊ ने आयोजन के उद्देशों पर प्रकाश डाला, आयोजन की अध्यक्षता कर रहे मौलाना ख़ालिद रशीद फिरंगी महली ने कहा कि हकीम Ibn-e- Sina की किताब दि कैनन ऑफ मेडिसिन से पूरे एशिया और यूरोप में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में लाभ प्राप्त किया जा रहा है, इस विश्व चिकित्सा दिवस के समारोह में आयुर्वेदिक यूनानी के अलावा अन्य वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों के चिकित्सक भी सम्मिलित हुए वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों में सम्मिलित इलेक्ट्रो होम्योपैथी की ओर से बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन उ0प्र0 के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी तथा इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया के संयुक्त सचिव डा0 निश्लेश कुमार मिश्रा सम्मिलित हुए।

समारोह का संचालन कर रहे संस्था के महासचिव एवं मदरसा गुलज़ार–ए–हिन्द तालीमी मरकज़ उन्नाव के प्रबन्धक मुहम्मद ख़ालिद ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा बरेली जनपद में यूनानी कालेज स्थापित करने के लिए भूमि अधिग्रहण की जा चुकी है तथा तत्कालीन सरकार द्वारा बजट भी आंवटित किया गया था जिसका निर्माण अतिशीघ्र प्रारम्भ कराने की प्रक्रिया की मांग की।

विश्व चिकित्सा दिवस के अवसर पर बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी होटल हयात रीजेन्सी लखनऊ में सहभागिता करते हुये साथ में लखनऊ कार्यालय के प्रभारी श्री नसीम – छाया गज़ट

इलेक्ट्रो होम्योपैथी प्रगति के पथ पर अग्रसर

आगे बढ़ने, ऊँचा उठने और सामान्य से कुछ अधिक कर गुज़रने की आकांक्षा हर व्यक्ति की होती है, इसके लिए बाहरी सहयोग और अनुकूलताओं की प्रतीक्षा में कितने ही व्यक्ति रहते हैं ऐसे विरले ही होते हैं जिन्हें अभीष्ट परिणाम जन्म से ही मिल जाता है फिर भी बहुसंख्यक ऐसे होते हैं जिन्हें अपना मार्ग स्वयं बनाना होता है, अपनी परिस्थितियां स्वयं गढ़नी पड़ती हैं, संकल्प के सहारे ऐसे पुरूषार्थी असम्भव को भी सम्भव कर देते हैं ऐसे ही हमारे इलेक्ट्रो होम्योपैथ के कुछ ज़िम्मेदार आजकल कर रहे हैं जिससे इलेक्ट्रो होम्योपैथी का रास्ता सुगम होता जा रहा है और इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता की प्रक्रिया का कार्य निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है, आवश्यकता है धैर्य रखने की ! और सभी संस्था प्रमुखों को आपस में सामंजस्य बनाये रखने की, प्रायः देखा गया है कि जब भी इलेक्ट्रो होम्योपैथी मान्यता की ओर दो कदम बढ़ाती है तभी कुछ न कुछ ज़िम्मेदारों के द्वारा ऐसा कुछ कर दिया जाता है जिससे फिर प्रक्रिया वहीं की वहीं पहुँच जाती है, अब सभी ज़िम्मेदारों को चाहिये कि वह अपनी ज़िम्मेदारी को समझते हुए एकाग्र मन से अपने कार्य में लग जायें, कोई कार्य कठिन नहीं होता है ! केवल कार्य दृढ़ इच्छा शक्ति से किया जाये, प्रगति के पथ पर बढ़ने के लिए हमें हर हालत में अपनी इच्छा शक्ति को बढ़ाना होगा, इच्छा शक्ति के विकास के लिए हमे सच्चे हृदय से पूरी सजगता और प्रतिबद्धता के साथ प्रयास करने चाहिये तभी सफलता का मार्ग प्रशस्त हो सकता है, बस आवश्यकता है अपने काम के प्रति लगन की, कुछ वर्षों पूर्व उहापोह की स्थिति बनी हुई थी परन्तु इधर कुछ माह से इलेक्ट्रो होम्योपैथी निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है ।

यह इलेक्ट्रो होम्योपैथी की प्रगति ही तो है जो अब इसके स्टालों तथा निःशुल्क चिकित्सा शिविरों पर प्रदेश के ही नहीं अपितु केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं, कुछ माह पूर्व प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन उ0प्र0 से सम्बद्धअवध इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट द्वारा लगाये गये स्टाल में प्रदेश के माननीय आयुष मंत्री श्री धर्म सिंह सैनी ने पहुँच कर शुभकामनायें दी थीं अभी दिनांक 22 फरवरी, 2019 को बक्सर (बिहार) में भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्री माननीय जे0पी0 नड्डा ने स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन किया इससे प्रमाणित होता है कि पैथी प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

हालांकि इलेक्ट्रो होम्योपैथी के कार्यक्रमों में मंत्रियों के आने का सिलसिला बहुत पुराना है यहां मंत्री तो क्या मुख्यमंत्री तक इलेक्ट्रो होम्योपैथी के कार्यक्रम में आ चुके हैं कार्यक्रमों में मंत्रियों के आने का सिलसिला तो चलता रहेगा परन्तु आवश्यकता है इसमें ठोस रणनीति बनाकर कार्य करने की ! कार्य संस्कृति ही सफलता की कुंजी है यदि कार्य दृढ़ निश्चिय के साथ किया जाता है तो उसमें सलता अवश्य मिलती है इसमें लेश मात्र भी सन्देह नहीं किया जा सकता है।

प्रगति के पथ पर आगे बढ़ने के लिए इन 3 अवरोधों का ध्यान रखना चाहिये 1– आवेश 2–असहनशीलता 3–अदूरदर्शिता अर्थात इलेक्ट्रो होम्योपैथी के ज़िम्मेदारों को इन तीनों बातों पर विशेष ध्यान देना चाहिये यह तीनों बातें प्रगति की रूकावट हैं।

उन्नति और विकास के लिए मनुष्य को योजनाबद्ध कार्यक्रम बनाना पड़ता है अर्थात इस समय इलेक्ट्रो होम्योपैथी के ज़िम्मेदारों को योजनाबद्ध तरीके से कार्य करना चाहिये, इस समय इलेक्ट्रो होम्योपैथी ऐसे स्थान पर खड़ी है कि कभी भी इसे मान्यता मिल सकती है, यदि इसमें लेश मात्र भी आवेश या अदूरदर्शिता दिखायी गयी या फिर अपने हित प्राप्त करने के लिए या कहिये कि क्षणिक लाभ प्राप्त करने के लिए कार्य किया गया तो इलेक्ट्रो होम्योपैथी फिर अपने उसी काल में पहुँच जायेगी जिसे हम बहुत पीछे छोड़ आये हैं।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी का भविष्य उज्जवल है और उज्जवल ही रहेगा, बस इसको इसी तरह प्रगति के पथ पर आगे बढ़ाते रहना है हम पूर्ण विशवास के साथ कह सकते हैं कि यदि इसी तरह लोग कार्य करते रहेंगे तो निश्चित मानिये कि वह दिन दूर नहीं कि जब इलेक्ट्रो होम्योपैथी को सरकार द्वारा पूर्ण मान्यता मिल कर रहेगी।

रंगों के त्योहार होली की हार्दिक शुभकामनायें

आवश्यकता है एकजुटता दिखाने की

एकजुटता का मतलब है परस्पर निर्भरता, यह कुछ कार्यों या मान्यताओं की एकता पर आधारित है, यह एक तरह की पारस्परिक सहायता और समर्थन है, साथ ही यदि लोग एक लक्ष्य रखते हैं तो वे एक दूसरे के साथ एकजुट हो सकते हैं सफलता पाने के लिए एकजुटता ही विकल्प है, एकजुटता से समुचित प्रयास किये जाने चाहिये, आवश्यक मापदण्डों की पूर्ति की जानी चाहिये, पक्ष को दृढ़ता से प्रस्तुत किया जाना चाहिये, इन सबके पश्चात भी यदि सफलता न मिले तो चिन्तन करना चाहिये कि कहां पर प्रयासों में कमी रही उन कमियों को दूर करते हुए पुनः ऐसी रणनीति बनानी चाहिये कि जिससे ऐसे प्रयास किये जायें कि सफलता प्राप्त की जा सके।

इलेक्ट्रो होम्योपैथों में सबसे अधिक जो कमी है वह है एकजुटता की, क्योंकि यहां हर शीर्ष संस्था वाला मान्यता तो चाहता है पर एक जुटता नहीं दिखाता है, अपनी मनमर्ज़ी की बात कहकर इलेक्ट्रो होम्योपैथी को और अधिक नुकसान पहुँचा देता है, लोग अपना अपना तम्बूरा लेकर अलग–अलग राग अलापने लगते हैं जो ठीक नहीं है। कोर्सों के बारे में ही लेलें कोई कहता है कि बैचलर डिग्री दी जा सकती है और वह अपनी संस्था के माध्यम से बैचलर डिग्री दे भी रहे हैं,न तो उन्हें एकजुटता की परवाह है और न ही कानून की, जब सरकार ने 2003 में ही कह दे दिया था कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी में बैचलर डिग्री नहीं दी जा सकती है तो लोग अभी तक क्यों दे रहे हैं ! यह तो वही बता सकते हैं जो निरन्तर डिग्री दे रहे हैं। वास्तव में डिग्री प्रदान करने का अधिकार विश्वविद्यालयों / मानद विश्व– विद्यालयों एवं उच्च शिक्षण संस्थानों को ही है यहां यह बताना उचित होगा कि उच्च शिक्षण संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों का नियन्त्रण केन्द्र सरकार के अधीन है।

केन्द्र सरकार ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विषय में केवल इतना ही निश्चित किया है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी की संस्थायें शिक्षा दे सकती हैं और इसके प्रशिक्षार्थी प्रैक्टिस भी कर सकते हैं, इससे अधिक सरकार को इस सम्बन्ध में निर्णय देना है जिसके लिए सरकार ने अन्तरविभागीय समिति का गठन कर इलेक्ट्रो होम्योपैथी को मान्यता देने का कार्यक्रम बनाया है, प्राप्त सूचना के अनुसार जो अभी भी सरकार के पास विचाराधीन है, इलेक्ट्रो होम्योपैथी में शिक्षा देने एवं चिकित्सा करने के लिए माननीय सुप्रीम कोर्ट ने भी भारत सरकार के प्रति शपथपत्र के अनुसार अपनी सहमति अनेक अवसरों पर दी है, इलेक्ट्रो होम्योपैथी में शिक्षा देने एवं चिकित्सा करने से अधिक अभी तक कोई भी नीति निर्धारित नहीं है, यह तभी सम्भव हो पायेगा जब केन्द्र सरकार इलेक्ट्रो होम्योपैथी को मान्यता प्रदान कर देगी यह सर्वविदित है कि स्वतन्त्र रुप से चिकित्सा व्यवसाय करने के लिए कम से कम स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम होने चाहिये क्योंकि इलेक्ट्रो होम्योपैथी में स्नातक की उपाधि देना वर्जित है इसलिए पाठ्यक्रम एवं इनकी अवधि कम से कम इतनी अवश्य होनी चाहिये जो किसी भी मूल्यांकन में किसी भी स्थिति में स्नातक से कम न हो।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी में औषधियों के सम्बन्ध में माननीय सुप्रीम कोर्ट के अद्यतन आदेश का स्मरण किया जा सकता है जिसके द्वारा सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि विधान बनने से पूर्व ऐसी कोई गतिविधि नहीं की जा सकती है जो औषधि से सम्बन्धित हो। सुप्रीम कोर्ट ने औषधि के प्रयोग के विषय में भी संक्षेप में इस प्रकार लिखा है कि मानो उसने बहुत कुछ कह दिया हो, देश के तमाम इलेक्ट्रो होम्योपैथिक औषधि निर्माताओं को चाहिये कि वह सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के परिपेक्ष्य में ऐसी नीति निर्धारित करें जिससे सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का भलीभांति पालन हो सके और उन्हें विधि सम्मत ढंग से कार्य करने की स्वतन्त्रता भी मिल सके यह तभी सम्भव है जब यह सभी एकजुट होकर कोई नियामक निर्धारित करें जो इनको व्यवसायिक संरक्षण प्रदान कर सके, उनके इस कार्य में भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मन्त्रालय द्वारा आदेश प्राप्त इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया महती भूमिका निभा सकती है, इसके अतिरिक्त कोई और भी नियामक निर्धारित किया जा सकता है, किन्तु ऐसे नियामक को ऐसा ही प्रयास करना पड़ेगा जैसा कि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया 25 जुलाई, 1978 से निरन्तर कर रही है, कोई नया नियामक सफल होगा यह ज़रूरी नहीं है परिस्थितियां एवं समय के अनुसार कोई संगठन उसी तरह से सफल हो ऐसा आवश्यक नहीं है, क्योंकि अब इलेक्ट्रो होम्योपैथी प्राप्त सूचना के अनुसार अपने निर्णय की स्थिति में है निर्णय क्या होगा ! यह अभी गर्भ में है ! सरकार जो व्यक्त कर चुकी है उसमें संशोधन की बहुत अधिक सम्भावना नहीं है।

सरकार नया क्या करेगी इसकी प्रतीक्षा तो करनी ही होगी लेकिन हमारे प्रयास ऐसे होने चाहिये कि सरकार द्वारा जो भी सकारात्मक हो सकता है उसमें कोई विघ्न न पड़े। ऐसे ही प्रयास शिक्षण संस्थाओं एवं शीर्ष संस्थाओं को भी करने चाहिये जहां एकजुटता सिर्फ दिखायी न पड़े बल्कि वास्तव में एकजुटता हो।

पाठ्यक्रम एवं पाठ्य अवधि यथोचित निर्धारित करें जो किसी भी दशा में किसी भी समय मूल्यांकन में असफल न होने पाये, पाठ्यक्रम का नामकरण किसी भी दशा में मान्यता प्राप्त चिकित्सा पद्धतियों से प्रथक हो, पाठ्यक्रम का पूर्ण नाम या संक्षिप्त नाम स्पष्ट हो, यह सब कुछ एकजुटता से ही सम्भव है।

18 नवम्बर, 1998 को माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय, नई दिल्ली के आदेश आने के बाद इलेक्ट्रो होम्योपैथिक संस्थायें संशय की स्थिति में पड़ गयी थीं उन्हें सिर्फ यही समझ में आता रहा था कि उन्हें कार्य का अधिकार मिल गया है उस कार्य में क्या छिपा था ! उसपर उनकी दृष्टि कभी नहीं गयी ! जिसके कारण वह निर्णय की तिथि तक जो भी कर रहे थे उसमें कोई परिवर्तन नहीं ला सके, जिसका दुष्परिणाम यह हुआ कि इस आदेश के अनुपालन में भारत सरकार द्वारा 25 नवम्बर, 2003 को जो आदेश जारी किया गया उससे शून्यता की स्थिति उत्पन्न हो गयी।

18 नवम्बर, 1998 के आदेश का भलिभांति अध्ययन न करने के कारण ही 25 नवम्बर, 2003 के आदेश का अर्थ लोग अपने – अपने मनमाने ढंग से निकालने लगे, इस का परिणाम यह हुआ कि पूरे देश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी की संस्थाओं के संचालक न्यायालयों के चक्कर लगाने लगे और एक के बाद एक दर्जनों संस्थाओं की याचिकायें खारिज होती गयीं समाज में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के प्रति छवि इस हदतक खराब हो गयी कि लोग अपने आप को इलेक्ट्रो होम्योपैथ कहने से भी कतराने लगे,इसलिए एकजुटता के नाम पर अब कोई ऐसा कार्य नहीं होना चाहिये जिससे गुज़रे दिनों की पुनरावृत्ति हो।

प्रभावी व्यवस्था का पालन करें चिकित्सक – डा0 इदरीसी

सादाबाद (हाथरस) स्थानीय शकुन्तला सेवा सदन मथुरा रोड में बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 एवं इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया के संयुक्त तत्वाधान में एक विशेष समारोह का आयोजन डा0 नेम सिंह द्वारा किया गया, समारोह में हाथरस के अतिरिक्त आगरा, मथुरा, अलीगढ़ व एटा जनपद के इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए ।

समारोह का उद्घाटन मैटी के चित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्जवलित करते हुए मुख्य अतिथि बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन,उ0प्र0 के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा गठित अन्तरविभागीय समिति इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता के लिए लगातार कार्य कर रही है जो किसी भी क्षण निर्णय दे सकती है, डा0 इदरीसी ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा 4 जनवरी 2012 को बोर्ड के पक्ष में पंजीयन की व्यवस्था 28 जनवरी, 2004 को माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद के एक आदेश से आरम्भ हुई है जिसके अनुसार जिले में सभी प्रकार के चिकित्सा सेवा प्रदान करने वाले व्यवसायियों को जिले के मुख्य चिकित्साधिकारी के कार्यालय में पंजीयन कराना होता था। इस व्यवस्था में वर्ष 2014 में परिवर्तन आया जिसके द्वारा निश्चित किया गया कि सभी एलोपैथिक चिकित्सकों एवं चिकित्सालयों का पंजीयन मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में, आयुर्वेदिक तथा यूनानी चिकित्सकों एवं चिकित्सालयों का पंजीयन क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी तथा होम्योपैथिक चिकित्सकों एवं चिकित्सालयों का पंजीयन जिला होम्योपैथिक अधिकारी कार्यालय में होगा, चूंकि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक बड़ी संख्या में प्रदेश में कार्यरत हैं और प्रदेश की जनता इनसे स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर रही है इनके पंजीयन हेतु भी सरकार का ध्यान आकर्षित कराया गया जिसके निष्कर्ष में सरकार ने 4 दिसम्बर, 2015 को एक समिति का गठन कर दिया जो निरन्तर बैठकों का आयोजन कर रही है जब तक इस समिति का निर्णय लाम्बित है तब तक इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों को चाहिये कि वह अपनी चिकित्सकीय अर्हता, अपनी परिषद में पंजीयन तथा एसोसिएशन की सदस्यता ठीक–ठाक रखें।

मंच पर बायें से डा0 पी0 के0 राघव, डा0 शिव कुमार पाल, मुख्य अतिथि डा0 एम0 एच0 इदरीसी–(चेयरमैन बी0ई0एच0एम0,यू0पी0),सभाध्यक्ष डा0 आर0 पी0 उपाध्याय, जिला प्रवक्ता डा0 राधेश्याम रजक। छाया गजट

डा0 नेम सिंह बघेल द्वारा डा0 एम0एच0 इदरीसी–चेयरमैन बी0 ई0 एच0 एम0, यू0 पी0 को शील्ड देते हुये। छाया गजट

बोर्ड के मीडिया प्रभारी एवं प्रवक्ता डा0 शिवकुमार पाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज पूरे देश में उथल पुथल चल रही है जिसके कारण देश में विभिन्न स्तरों पर समारोह के आयोजन किये जा रहे हैं, लगता है कि सरकार बहुत जल्द ही कुछ करने वाली है, चिकित्सकों को चाहिये कि वह अपना पंजीयन अवश्य करा लें तथा जिनके रजिस्ट्रेशन का नवीनीकरण न हो वह भी अपना नवीनीकरण शीर्घतासीघ्र करा लें जिससे अनावश्यक परेशानी से बच सकें।

समारोह की अध्यक्षता सादाबाद इलेक्ट्रो होम्योपैथिक इन्सटीटयूट के प्राचार्य डा0 रमेशचन्द्र उपाध्याय ने की, डा0 उपाध्याय ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी से किसी को कोई नुकसान नहीं होता है, इसकी औषधियां एलोपैथी के अनुपात में ही लाभ करती हैं,डा0 उपाध्याय की विशेषता रही कि उन्होंने समारोह में उपस्थित एक एक चिकित्सक का नाम लेकर सम्बोधित किया, लोगों को विश्वास दिलाया कि बहुत शीघ्र ही आपको खुशखबरी मिलने वाली है।

समारोह का संचालन करते हुए बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के हाथरस जिला प्रवक्ता डा0 राधेश्याम रजक ने कहा कि प्रदेश में रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था राजेश कुमार श्रीवास्तव बनाम श्री ए0 पी0 वर्मा मुख्य सचिव उ0प्र0 व अन्य में माननीय उच्च न्यायालय में एक अवमाननावाद में हुई है पंजीयन न कराना माननीय उच्च न्यायालय की अवमानना है इसलिए सभी चिकित्सकों को अपना पंजीयन अद्यतन रखना चाहिये।

समारोह में मुख्य रूप से डा0 रनवीर शास्त्री फिरोजाबाद,डा0बहादुर अली सादाबाद ,डा0 अलाउद्दीन अलीगढ़,डा0 आर0के0तेवतिया दादरी अलीगढ़,डा0 रवीन्द्र कुमार सादाबाद,डा0नेम सिंह बघेल ने इलेक्ट्रो होम्योपैथिक की वर्तमान स्थिति पर विचार व्यक्त किये।

अलीगढ़ मण्डल अध्यक्ष डा0 प्रमोद कुमार राघव की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम कु0 करिश्मा बघेल व रेनु यादव द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया कार्यक्रम के संयोजक डा0 नेम सिंह बघेल एवं डा0 मौलश्री द्वारा मेडल व स्मृतिचिन्ह प्रदान कर अतिथियों का स्वागत तथा आभार व्यक्त किया है।

आदेश जारी करने के पश्चात 4 दिसम्बर, 2015 को इलेक्ट्रो होम्योपैथिक प्रशिक्षण प्राप्त चिकित्सकों के पंजीयन के लिए महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें उ0प्र0 की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया था जिसको प्रभावी करने के लिए 24 सितम्बर, 2018 को पुनः एक शासनादेश जारी किया जा चुका है, जिसपर कार्य तीव्र गति से चल रहा है।

डा0 इदरीसी ने चिकित्सकों को स्मरण कराया कि चिकित्सा व्यवसाय प्रभावी व्यवस्था के अनुसार चिकित्सकों के पास चिकित्सकीय अर्हता एवं परिषद से व्यवसायिक पंजीयन तथा जिस स्थान पर चिकित्सा व्यवसाय कर रहे हैं उस जनपद के सक्षम पदाधिकारी द्वारा जारी पंजीयन प्रमाण पत्र होना आवश्यक है।

विदित हो कि जिले में

डा0 नेम सिंह बघेल व डा0 मौलश्री डा0 पी0 के0 राघव को स्मृति चिन्ह देते हुये। छाया गजट

भारत सरकार स्वास्थ्य मंत्रालय के मेघा कुम्भ स्वास्थ्य मेले में इलेक्ट्रो होम्योपैथी भी हुयी शामिल

चिकित्सकों के समूह में इलेक्ट्रो होम्योपैथ भी

केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री श्री अश्विनी चौबे के संसदीय क्षेत्र बक्सर (बिहार) में दिनांक 22 व 23 फरवरी 2019 को मेगा कुम्भ स्वास्थ्य मेला जो स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मन्त्रालय भारत सरकार द्वारा यूनिसेफ, विश्व स्वास्थ्य संगठन, रोटरी क्लब, भारत सहयोग विकास परिषद, वनस्थली ट्रस्ट, रेडक्रास सोसाइटी एवं अन्य एन0 जी0 ओ0 के सहयोग से आयोजित किया गया था जिसमें हज़ारो रोगियों के साथ–साथ 500 से अधिक चिकित्सकों को सहयोग करना था, इसमें ऐलोपैथी के अतिरिक्त डेन्टल, नेचुरोपैथी, योगा, आयुर्वेद, होम्योपैथी के साथ–साथ इलेक्ट्रो होम्योपैथी तथा एक्युप्रेशर को भी योगदान देने के लिए मन्त्रालय ने पत्र जारी किया। मन्त्रालय द्वारा यह अपेक्षा की गयी कि सम्बन्धित विभाग/एन0 जी0 ओ0/फाउन्डेशन इस मेगा कुम्भ स्वास्थ्य मेले की सफलता हेतु अपना महत्वपूर्ण योगदान देने का कष्ट करेंगे, इस मेगा कुम्भ स्वास्थ्य मेले में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए भी एक स्टाल आवंटित किया गया इस स्टाल का उदघाटन माननीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य राज्यमंत्री श्री अश्विनी चौबे जी के साथ केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जे0पी0 नड्डा द्वारा किया गया। सरकार द्वारा आयोजित इस मेले में इलेक्ट्रो होम्योपैथी का शिविर लगना यह किसी मान्यता से कम नहीं है जहां विश्व स्वास्थ्य संगठन एवं यूनिसेफ जैसे संगठन सम्मिलित हों वहां इलेक्ट्रो होम्योपैथी का सम्मिलित होना गौरव की बात है इस शिविर का प्रभार मन्त्रालय द्वारा डा0के0पी0सिन्हा को दिया गया था।

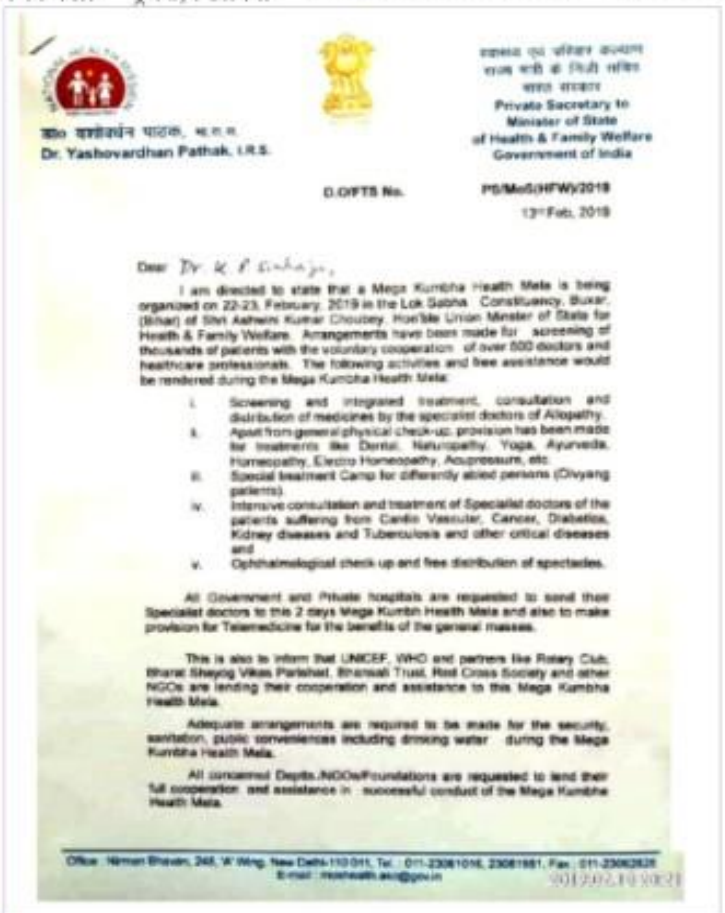

डा0 यशोवर्धन पाठक, भा.रा.से.
Dr. Yashovardhan Pathak, I.R.S.

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री के निजी सचिव भारत सरकार
Private Secretary to Minister of State of Health & Family Welfare Government of India

D.O/FTS No. PS/MoS(HFW)/2019
13th Feb, 2019

Dear Dr. K. P. Sinha ji,

I am directed to state that a Mega Kumbha Health Mela is being organized on 22-23, February, 2019 in the Lok Sabha Constituency, Buxar, (Bihar) of Shri Ashwini Kumar Choubey, Hon'ble Union Minister of State for Health & Family Welfare. Arrangements have been made for screening of thousands of patients with the voluntary cooperation of over 500 doctors and healthcare professionals. The following activities and free assistance would be rendered during the Mega Kumbha Health Mela:

i. Screening and integrated treatment, consultation and distribution of medicines by the specialist doctors of Allopathy.
ii. Apart from general physical check-up, provision has been made for treatments like Dental, Naturopathy, Yoga, Ayurveda, Homeopathy, Electro Homeopathy, Acupressure, etc.
iii. Special treatment Camp for differently abled persons (Divyang patients).
iv. Intensive consultation and treatment of Specialist doctors of the patients suffering from Cardio Vascular, Cancer, Diabetics, Kidney diseases and Tuberculosis and other critical diseases and
v. Ophthalmological check up and free distribution of spectacles.

All Government and Private hospitals are requested to send their Specialist doctors to this 2 days Mega Kumbh Health Mela and also to make provision for Telemedicine for the benefits of the general masses.

This is also to inform that UNICEF, WHO and partners like Rotary Club, Bharat Shayog Vikas Parishad, Bhanwali Trust, Red Cross Society and other NGOs are lending their cooperation and assistance to this Mega Kumbha Health Mela.

Adequate arrangements are required to be made for the security, sanitation, public conveniences including drinking water during the Mega Kumbha Health Mela.

All concerned Deptts./NGOs/Foundations are requested to lend their full cooperation and assistance in successful conduct of the Mega Kumbha Health Mela.

Office : Nirman Bhawan, 248, 'A' Wing, New Delhi-110 011, Tel. : 011-23061016, 23061661, Fax : 011-23062828
E-mail : mosheatth.akc@gov.in

डा0 यशोवर्धन पाठक, भा.रा.से.
Dr. Yashovardhan Pathak, I.R.S.

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री के निजी सचिव भारत सरकार
Private Secretary to Minister of State of Health & Family Welfare Government of India

-2-

You are requested to join with your team in this initiative and offer your services to the poor & needy.

Thanking you.

Yours Sincerely,
13/2/19
(Dr. Yashovardhan Pathak)

Office : Nirman Bhawan, 248, 'A' Wing, New Delhi-110 011, Tel. : 011-23061016, 23061661, Fax : 011-23062828
E-mail : mosheatth.akc@gov.in

BOARD OF ELECTRO HOMOEOPATHIC MEDICINE, U.P.

8-Lal Bagh, Kamla Sharma Marg, Lucknow-226001 E-mail registrarbehmup@gmail.com

PROGRAMME FOR EXAMINATION March 2019

Name of the course	27th March, 2019 Wednesday 1st. Meeting	27th March, 2019 Wednesday 2nd. Meeting	28th March, 2019 Thursday 1st. Meeting	28th March, 2019 Thursday 2nd. Meeting	29th March, 2019 Friday 1st. Meeting	29th March, 2019 Friday 2nd. Meeting	30th March, 2019 Saturday 1st. Meeting
M.B.E.H. 1st. Professional	Anatomy 1st.	Anatomy 2nd.	Physiology 1st.	Physiology 2nd.	Pharmacy	Philosophy	XX
M.B.E.H. 2nd. Professional	Pathology 1st.	Pathology 2nd.	Hygiene & Health	Med. Jurisprudence & Toxicology	Materia Medica	Practice of Medicine 1st.	Practice of Medicine 2nd.
M.B.E.H. Final Professional	Midwifery & Gynaecology 1st.	Midwifery & Gynaecology 2nd.	Opthalmology incl. E.N.T. 1st.	Opthalmology incl. E.N.T. 2nd.	Materia Medica	Practice of Medicine 1st.	Practice of Medicine 2nd.
G.E.H.S. 1st. Professional	Anatomy 1st.	Anatomy 2nd.	Physiology and Bio-Chem. 1st.	Physiology and Bio-Chem. 2nd.	Pharmacy	Philosophy	XX
G.E.H.S. 2nd. Professional	Pathology and Micro.-Bio. 1st.	Pathology and Micro.-Bio. 2nd.	Forensic Science & Toxicology	Materia Medica	Practice of Medicine 1st.	Practice of Medicine 2nd.	XX
G.E.H.S. 3rd. Professional	Obstetrics & Gynaecology 1st.	Obstetrics & Gynaecology 2nd.	Opthalmology incl. E.N.T. 1st.	Opthalmology incl. E.N.T. 2nd.	Environmental Science	Materia Medica	XX
G.E.H.S. Final Professional	Materia Medica & Therapeutics	Practice of Medicine 1st.	Practice of Medicine 2nd.	Surgery	Physical & Health Education	XX	XX
P.G.E.H. 1st. Professional	Pharmacy	Philosophy	Materia Medica 1st.	Materia Medica 2nd.	Practice of Medicine 1st.	Practice of Medicine 2nd.	XX
P.G.E.H. Final Professional	Materia Medica 1st.	Materia Medica 2nd.	Practice of Medicine 1st.	Practice of Medicine 2nd.	XX	XX	XX
F.M.E.H. 1st. Semester	Anatomy & Physiology	XX	Pharmacy & Philosophy	XX	XX	XX	XX
F.M.E.H. 2nd. Semester	Pathology	XX	Hygiene & Health	XX	Environmental Science	XX	XX
F.M.E.H. 3rd. Semester	Opthalmology including E.N.T.	XX	Med. Jurisprudence & Toxicology	XX	Dietetics	XX	XX
F.M.E.H. Final Semester	Obstetrics & Gynaecology	XX	Materia Medica	XX	Practice of Medicine	XX	XX
A.C.E.H.	Anatomy & Physiology	XX	Pharmacy Philosophy & Materia Medica	XX	[illegible]	XX	[illegible]

Timing < 1st. Meeting : 8:00 A.M. to 11:00 A.M.
2nd. Meeting : 2:00 P.M. to 5:00 P.M.

Atiq Ahmad
Examination Incharge